ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -8

हिन्दी

पाठ - 6

रामायण और महाभारत के महापात्र

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

श्रवण कुमार का नाम रामायण में उसकी मातृ-पितृ भक्ति की मिसाल के रूप में लिया जाता है। ग्रंथानुसार श्रवण के माता-पिता अंधे थे। अंधे होने के बावजूद भी उन्होंने श्रवण की देखभाल में तथा संस्कार देने में कोई कमी नहीं की परंतु श्रवण कुमार का वैवाहिक जीवन सफल नहीं रहा। पत्नी के छोड़कर चले जाने के बाद श्रवण का पूरा ध्यान माता-पिता की सेवा में लगा रहता।

एक बार श्रवण के माता-पिता ने तीर्थयात्रा पर जाने की इच्छा प्रकट की। उन दिनों आज की तरह रेलगाड़ियाँ या बस सेवा नहीं थी। अंधे और बूढ़े होने के कारण श्रवण के माता-पिता चल भी नहीं सकते थे। ऐसी स्थिति में श्रवण को एक उपाय सूझा। उसने दो बड़ी-बड़ी टोकरियाँ लीं। उन्हें मज़बूत लाठी के दोनों सिरों पर रस्सी से बाँधकर लटका दिया। इस तरह बड़ा काँवर बन गया। उसने माता-पिता को एक-एक टोकरी में बिठा दिया। लाठी कंधे पर टाँगकर श्रवण आज्ञाकारी पुत्र की तरह तीर्थयात्रा कराने चल पड़ा।

शब्दार्थ –

मिसाल- उदाहरण
आज्ञाकारी -आज्ञा मानने वाला

श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता को काशी, प्रयाग जैसे तीर्थस्थानों की यात्रा करवाई। अंधे होने के कारण माता-पिता देख नहीं सकते थे इसलिए श्रवण उन्हें तीर्थ क्षेत्रों की बातें सुनाता और वहाँ की स्थितियों का वर्णन करता। तीर्थाटन कर माता-पिता बहुत खुश थे।

एक दिन दोपहर के समय श्रवण अपने माता-पिता के साथ अयोध्या के पास एक जंगल में विश्राम कर रहे थे। माँ को प्यास लगी, हाथ में कमंडल लिए श्रवण पास में बह रही नदी से जल लाने के लिए निकल पड़ा। अयोध्या के राजा दशरथ को शिकार खेलने का शौक था और शिकार खेलने उसी समय वे जंगल आए हुए थे। श्रवण ने जल भरने के लिए कमंडल पानी में डुबोया। पानी भरने की आवाज़ सुनकर राजा दशरथ को लगा कोई जानवर पानी पीने आया है। दशरथ शब्दभेधी तीर चलाना जानते थे। आवाज़ को सुनकर उन्होंने तीर मारा, तीर सीधा श्रवण के सीने में जा लगा। श्रवण कराहने लगा।

किसी मनुष्य के कराहने की आवाज़ सुनकर दशरथ दौड़कर आवाज़ की दिशा में पहुँचे तो देखा कि उनका तीर एक युवक को लगा है। राजा दशरथ से अनजाने में अपराध हुआ था। उन्होंने श्रवण से क्षमा माँगी पर उसका कोई लाभ नहीं था। श्रवण को बार-बार अपनी प्यासी माँ का चेहरा याद आ रहा था। श्रवण ने अपनी पूरी कहानी राजा दशरथ को बताई और कहा कि वे उनकी प्यास बुझाएँ और अपने बारे में कुछ न कहें। यह कहते-कहते ही श्रवण ने अपने प्राण त्याग दिए।

दुखी हृदय से राजा दशरथ जल लेकर श्रवण के माता-पिता के पास पहुँचे। अनजान व्यक्ति के पैरों की आहट श्रवण के माता-पिता अच्छी तरह पहचान गए। उनका मन आशंकित हुआ। अंत में मजबूर होकर राजा दशरथ को घटना का वर्णन करना पड़ा। पुत्र शोक से व्याकुल माता-पिता ने जल ग्रहण नहीं किया और दशरथ को पुत्र शोक से संतप्त होने का श्राप भी दिया। श्रवण की याद में उन्होंने प्राण त्याग दिए। राजा दशरथ को अपने किए पर पछतावा हो रहा था पर होनी को कोई टाल नहीं सकता था। श्रवण कुमार की मातृ-पितृ भक्ति को आज भी याद किया जाता है।

शब्दार्थ -

वैवाहिक जीवन - विवाह के उपरांत जीवन
तीर्थाटन - तीर्थयात्रा
शब्दभेधी- ध्वनि के सहारे लक्ष्य को भेदना
कहारने- आतंरिक पिडा में मुँह से ध्वनि निकलना
क्षमा - माफी
आशंकित- शंका उत्पन्न होना
संतप्त - दुखी
पछताव-पश्चाताप

अर्थबोध-

श्रवण कुमार मातृ-पितृ भक्ति की एक मिसाल है।उसके माता पिता अंधे थे। श्रवण ने अपना सारा जीवन माता पिता की सेवा में लगा दिया।माता-पिता के इच्छा को सम्मान देते हुए उन्हें एक बड़ा काँवर में बिठाकर तीर्थाटन करवाया। रास्ते में उन्हें प्यास लगा तो उन्हें पानी पिलाने केलिए पास के नदी से जल लाने गया ।उसी समय राजा दशरथ शिकार केलिए गए थे तो पानी भरने की आवाज़ सुनकर उन्हें लगा कि कोई जानवर पानी पीने आया है।इसलिए उन्होंने शब्दभेदी तीर चलाया। जिससे श्रवण को वह तीर लगता है और श्रवण अपने माता पिता के बारे में बनाकर प्राण त्याग दिए। दशरथ जी श्रवण के पिता को क्षमा माँगते हैं परंतु पुत्र शोक से डुबे माता-पिता ने राजा दशरथ को पुत्र शोक से संतप्त होने का श्राप दे दिया। लेकिन श्रवण कुमार के माता - पिता के प्रति भक्ति उन्हें अमर बना दिया।

संबंधित प्रश्न –

1.श्रवण के वैवाहिक जीवन कैसा था ?
2.श्रवण के माता -पिता क्या इच्छा प्रकट किये?
3.श्रवण के माता पिता को क्या रोग था? और श्रवण उन्हें कैसे तीर्थाटन पर ले गया?
4.तीर्थाटन केलिए श्रवण उन्हें कहाँ लेगा था?
5.श्रवण का निधन कैसे हुआ?
6.शिकार खेलने कैन गए थे? और उनके द्वारा कौन सा अपराध हुआ?
7.श्रवण के माता पिता ने राजा दशरथ को क्या श्राप दिया?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

वाक्य बनाओ –

मिसाल –
मज़बूत -
आज्ञाकारी -
आशंकित -
संतप्त –

वचन बदलो-

एक-
रेलगाडी -
टोकरी –
पैर -

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP